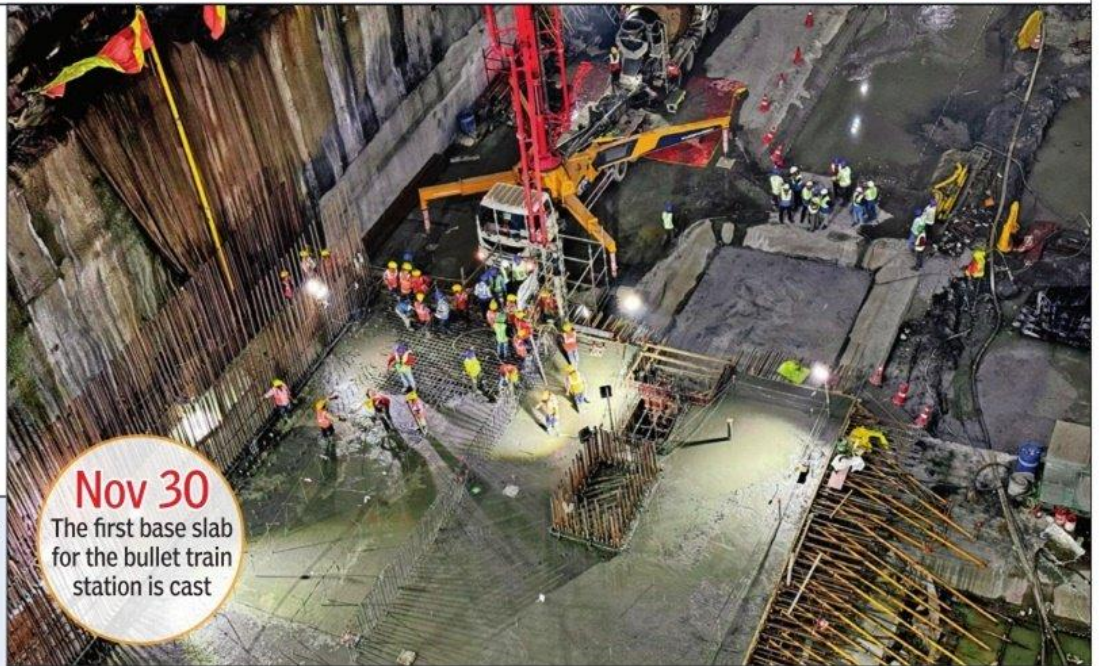


# BULLET TRAIN PROJECT HITS A MILESTONE

## BASE SLAB OF BKC UNDERGROUND STN CAST

The first concrete base slab of the bullet train station at BKC has been cast at a depth of about 32 metres from ground level, which is equivalent to a 10-storey building. The station is being built using the bottom-up method, which means that excavation work has commenced from the ground level and concrete work has started from the foundation. **Manthan K Mehta reports**



**Nov 30**

The first base slab for the bullet train station is cast

### THE SLAB

#### Dimensions:



#### Technical details:

681 tons of high-grade steel used



2,254 cubic metres of M60-grade concrete poured



6,200 rebar couplers used

4,283 tons of aggregates

69 such slabs will form the deepest construction level of the station

#### THE STATION

➤ At BKC, it is the only underground station on the Mumbai-Ahmedabad high-speed rail corridor



24 metres deep, with excavation reaching 32 metres

➤ 6 platforms, each 415 meters long, to accommodate 16-coach trains

**Two entry/exit points:**  
Near Metro Line 2B station  
Near MTNL building

“ Building the station involves excavating about 18.7 lakh cubic metres of earth; 52% of excavation has been completed – **Vivek Kumar Gupta** | MD, NHSRCL

# First base slab of bullet train stn in BKC ready



The station is the only underground stop on the Mumbai-Ahmedabad corridor and it designed to be 32 metres below ground—equivalent to a 10-storey building.

HT PHOTO

## HT Correspondent

htmumbai@hindustantimes.com

**MUMBAI:** In a significant milestone for India's first bullet train project, the casting of the initial concrete base slab at the Mumbai station in Bandra Kurla Complex (BKC) has been completed on Wednesday. This station, the only underground stop on the Mumbai-Ahmedabad corridor, is a marvel of engineering, designed to be 32 metres below ground—equivalent to a 10-storey building—and constructed using the innovative bottom-up method.

Excavation began at ground level, with the concrete work progressing from the foundation upwards. "This is the first of 69 slabs to be cast, marking the deepest level of construction for the station," said an

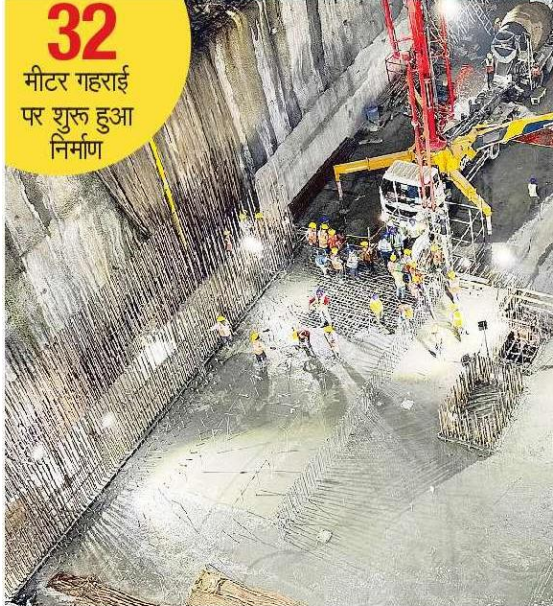
## THIS IS THE FIRST OF 69 SLABS TO BE CAST, MARKING THE DEEPEST LEVEL OF CONSTRUCTION FOR THE STATION

official from the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL).

The station will include three floors—platform, concourse, and service areas—with the platform itself situated 24 metres below ground. Six platforms, each approximately 415 metres long, will accommodate the 16-coach bullet trains. The station will also provide seamless connectivity to Mumbai Metro 2B and the road network, with two

designated entry and exit points: one near the MTNL building for road access and another connecting to the metro station.

Bandra Kurla Complex, already a bustling central business district developed by the Mumbai Metropolitan Region Development Authority (MMRDA), is poised to gain further prominence with the bullet train station. The Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor spans 508 kilometres and will feature 12 stations, four of which—Thane, Virar, Surat, and Sabarmati—are earmarked for Transit-Oriented Development (TOD). These developments are expected to boost economic activity, enhance urban mobility, and make the bullet train a vital link for commuters and businesses alike.



**32**  
मीटर गहराई  
पर शुरू हुआ  
निर्माण

जमीन में 32 मीटर नीचे बन रहा बुलेट ट्रेन का बीकेसी स्टेशन।

# मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला बेस स्लैब बना

■ विशेष संवाददाता, मुंबई: बुलेट ट्रेन यानी मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर बनने वाले बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला बेस स्लैब कास्ट किया गया। यह कॉन्क्रीट स्लैब जमीन से 32 मीटर की गहराई पर तैयार किया गया है, जो 10 मंजिला इमारत के बराबर है। प्रोजेक्ट के इस एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन (बीकेसी) का निर्माण नीचे से ऊपर की ओर की तकनीक से किया जा रहा है। इसके तहत खुदाई और कॉन्क्रीट का काम जमीन के सबसे निचले स्तर से शुरू किया गया है।

**कैसा है  
बेस स्लैब**

**गहराई  
3.5  
मीटर**

**लंबाई  
30  
मीटर**

**चौड़ाई  
20  
मीटर**

**निर्माण में उपयोग**

			
<b>681</b>	<b>6200</b>	<b>2254</b>	<b>18.7</b>
मीट्रिक टन उच्च ग्रेड स्टील	रीवार कपलर निर्माण में हुए इस्तेमाल	घन मीटर एम60 ग्रेड कॉन्क्रीट	लाख घन मीटर मिट्टी की खुदाई

**निर्माण प्रक्रिया का अनोखा तरीका**

कॉन्क्रीट की आपूर्ति 120m क्षमता वाले दो इन-सीटू बैचिंग प्लांट्स से की जा रही है। ढलाई के समय तापमान को नियंत्रित रखने के लिए बर्फ और चिलर संयंत्रों का उपयोग किया गया, जिससे कॉन्क्रीट का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे बनाए रखा जा सके। ढलाई से पहले पर्याप्त वाटरप्रूफिंग उपाय सुनिश्चित किए गए हैं।

**बीकेसी स्टेशन के  
प्लैटफॉर्म की गहराई:  
24 मीटर**

**कुल मंजिलें:** प्लैटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें

**प्लैटफॉर्म:** 6, प्रत्येक 415 मीटर लंबा, जो 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन के लिए पर्याप्त है

**प्रवेश/निकास द्वार:** एक मेट्रो लाइन 2B के निकटवर्ती स्टेशन से जुड़ा होगा।

**दूसरा एमटीएनएल** भवन की ओर होगा। स्टेशन को मेट्रो और सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त जगह और रोशनी के लिए प्राकृतिक रोशनदान का प्रावधान किया गया है।

**“** मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीचोबीच 32 मीटर गहराई वाले की 52% खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। साइट पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्नत उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। पहला बेस स्लैब पूरा करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

-विवेक कुमार गुप्ता, प्रबंध निदेशक, एनएचएसआरसीएल

नीचे से ऊपर की ओर विधि से किया जा रहा है स्टेशन का निर्माण

# 10 मंजिल वाले अंडर ग्राउंड मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला बेस स्लैब कास्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएचएसआर) पर बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। इसकी ऊंचाई 10 मंजिला बिल्डिंग के बराबर है। मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला कंक्रीट बेस स्लैब जमीन से लगभग 32 मीटर की गहराई पर कास्ट किया गया है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जल्द लोगों के बीच उतारने के लिए तेजी से कार्य जारी है। हाल ही केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सूरत के मांगरोल तहसील में कीम स्थित देश ही नहीं दुनिया के सबसे बड़ी स्लैब फैक्ट्री का दौरा कर कामकाज देखा था। एनएचएसआरसीएल के अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के तहत मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला कंक्रीट बेस स्लैब जमीन से लगभग 32 मीटर की गहराई में कास्ट किया गया। यह स्लैब 3.5 मीटर गहरा, 30 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा है। यह स्टेशन के लिए कास्ट किए जाने वाले 69 स्लैबों में से पहला स्लैब है, जो बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए सबसे गहरा निर्माण स्तर बनाएगा। कंक्रीट की आपूर्ति 120 एम3 क्षमता के दो इन-सीटू बैचिंग प्लांटों के माध्यम से की जा रही है।



## मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन पर छह प्लेटफार्म

बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन, मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर पर एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। प्लेटफॉर्म को जमीन से करीब 24 मीटर की गहराई पर बनाने की योजना है। प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और

सर्विस फ्लोर समेत 3 मंजिलें होंगी। जमीन से 32 मीटर की गहराई तक खुदाई की जा रही है। स्टेशन पर 6 प्लेटफार्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफार्म की लंबाई लगभग 415 मीटर होगी जो 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन के लिए पर्याप्त है।

मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन कॉरिडोर का एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीचों-बीच 32 मीटर गहरे स्टेशन को बनाने में करीब 18.7 लाख क्यूबिक मीटर मिट्टी की खुदाई की गई है, जिसमें से 52% खुदाई हो चुकी है। अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। पहला बेस स्लैब पूरा करना एक बड़ी उपलब्धि है।

- विवेक कुमार गुप्ता, एमडी, एनएचएसआरसीएल, नई दिल्ली।

# बुलेट ट्रेन के कार्य की गति तेज

अंडरग्राउंड स्टेशन का पहला स्लैब किया गया तैयार, 32 मी. नीचे खुदाई

■ मुंबई, (सं). मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला कंक्रीट बेस स्लैब 30 नवंबर 2024 को जमीन से लगभग 32 मीटर की गहराई पर कास्ट किया गया, जो कि 10 मंजिला इमारत के बराबर है. स्टेशन का निर्माण नीचे से ऊपर की तकनीक का इस्तेमाल कर किया जा रहा है. अर्थात् खुदाई का काम जमीनी स्तर से शुरू किया गया है. यह स्लैब 3.5 मीटर गहरा, 30 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा है. यह स्टेशन के लिए कास्ट किये जाने वाले 69 स्लैबों में से यह पहला स्लैब है, जो बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए सबसे गहरा निर्माण स्तर बनाएगा. बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन, मुंबई अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर पर एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है, जिसे जमीन से करीब 24 मीटर की गहराई पर बनाया जा रहा है. इस योजना के तहत प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस प्लोर समेत 3 मंजिलें होंगी. उक्त कार्य के लिए जमीन से 32 मीटर की गहराई तक खुदाई की जा रही है.

10	30	20	06	415	एक मात्र अंडरग्राउंड स्टेशन बीकेसी
मंजिला इमारत के बराबर स्लैब	मीटर स्लैब की लंबाई	मीटर स्लैब की चौड़ाई	प्लेटफॉर्म होंगे तैयार	मीटर प्लेटफॉर्म की होगी लंबाई	

## स्लैब के बारे में जानकारी

- 681 मीट्रिक टन उच्च ग्रेड स्टील का रिइंफोर्समेंट
- 6200 रेबर कपलर का उपयोग
- 2254 क्यूबिक मीटर एम 60 ग्रेड कंक्रीट का इस्तेमाल
- 4283 मीट्रिक टन एग्रीगेट का इस्तेमाल

बीकेसी, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का एक मात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है. 32 मीटर गहरे इस स्टेशन के निर्माण में लगभग 18.7 लाख क्यूबिक मीटर मिट्टी की खुदाई शामिल है, जिसमें से 52% खुदाई पहले ही पूरी हो चुकी है. साइट पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है. फिलहाल पहला बेस स्लैब पूरा करना हमारे लिए एक बड़ा मील का पत्थर है.

- विवेक कुमार गुप्ता, एमडी, एनएचएसआरसीएल



## मेट्रो से जोड़ा जाएगा BKC बुलेट ट्रेन स्टेशन

- अधिकारी ने बताया कि स्टेशन पर 6 प्लेटफॉर्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर होगी, जो 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन के लिए पर्याप्त है.
- हालांकि स्टेशन को मेट्रो और सड़क मार्ग से जोड़ा जायेगा. संबंधित अधिकारी ने बताया कि बीकेसी स्टेशन पर दो प्रवेश/निकास द्वार की योजना बनाई गई है.
- एक मेट्रो लाइन 2बी के निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए तथा दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर जाएगा.
- यात्रियों को आवाजाही और सुविधाओं के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध होगा.

First base slab of BKC underground station of bullet train completed

# बुलेट ट्रेनच्या बीकेसी भूमिगत स्थानकाचा पहिला बेस स्लॅब पूर्ण

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या महत्वाकांक्षी प्रकल्पांपैकी एक असलेल्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील महत्वाचा टप्पा पूर्ण झाला आहे. बुलेट ट्रेनच्या मार्गातील राज्यातील भूमिगत स्टेशनचा पहिला बेस स्लॅब जमिनीपासून ३२ मीटर खोलीवर यशस्वीरित्या टाकला आहे. ही खोली १० मजली इमारतीच्या उंचीइतकी आहे.

वांद्रे कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) येथे बुलेट ट्रेनचे भूमिगत स्थानक बांधण्यात येत आहे. बुलेट ट्रेनच्या मार्गातील हे एकमेव भूमिगत स्थानक आहे. या स्थानकासाठी ६९ बेस स्लॅब टाकण्यात येणार आहेत. ३.५ मीटर खोल, ३० मीटर लांब आणि २० मीटर रुंद असा स्लॅब आहे.

भूमिगत स्थानक स्टेशन जमिनीपासून २४ मीटर खोलीवर नियोजित असून, त्यासाठी सध्या ३२ मीटर खोलीपर्यंत उत्खनन सुरू आहे. या स्थानकात सहा प्लॅटफॉर्म असून प्रत्येक ४१५ मीटर लांब (१६ कोच बुलेट ट्रेनसाठी) असणार आहे. स्टेशनमध्ये तीन मजले असतील. नैसर्गिक प्रकाशासाठी स्कायलाइटची विशेष व्यवस्था केली आहे. स्टेशनला मेट्रो आणि रस्त्यांद्वारे जोडण्यासाठी दोन प्रवेशद्वार नियोजित आहेत. यातील एक मेट्रो लाईन २ बी स्थानकाकडे आणि दुसरा एमटीएनएल इमारतीकडे असेल. प्रवाशांच्या सोयीसाठी स्टेशनमध्ये विस्तृत जागा, कॉन्कोर्स आणि सुविधा उपलब्ध करून दिल्या जाणार आहेत. स्लॅब टाकल्याने बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामांना गती मिळणार आहे.



## स्लॅबची वैशिष्ट्ये :

● ६८१ मेट्रिक टन उच्च दर्जाच्या स्टीलचे मजबुतीकरण, ६२०० रिबार कपलर, २२५४ घ.मी. एम ६० दर्जाचे कॉन्क्रीट, ४२८३ मेट्रिक टन ऍंग्रीगेट्स, प्रत्येकी १२० मी. क्षमतेच्या दोन इन-सिटू बॉचिंग प्लांटद्वारे कॉन्क्रीटचा पुरवठा, स्लॅब टाकताना तापमान २५ अंशाच्या खाली ठेवण्यासाठी इन-सिटू बर्फ आणि चिलर प्लांटचा वापर.

बीकेसी हे एकमेव भूमिगत स्थानक आहे. वांद्रे कुर्ला कॉम्प्लेक्सच्या मध्यभागी बांधण्यात येणाऱ्या या स्थानकासाठी १८.७ लाख घनमीटर उत्खनन करण्यात येणार आहे. त्यापैकी ५२ टक्के काम पूर्ण झाले आहे. पहिल्या बेस स्लॅबचे काम यशस्वीरित्या पूर्ण झाले आहे. - विवेक कुमार गुप्ता, एमडी, एनएचएसआरसीएल

The first underground base slab of the bullet train station was laid in Mumbai

## जमिनीपासून खोदाईच्या कामासोबत, पायापासून कॉंक्रीटकरणेचे कामही सुरू मुंबईत बुलेट ट्रेन स्टेशनचा पहिला भूमिगत बेस स्लॅब टाकला !

### ◆ प्रशांत सिनकर

ठाणे : मुंबई-अहमदाबाद धावणाऱ्या बुलेट ट्रेनच्या कामाने वेग घेतला असून, बुलेट ट्रेन स्टेशनचा मुंबईत पहिला कॉंक्रीट बेस स्लॅब नुकताच जमिनीपासून अंदाजे ३२ मीटर खोलीवर टाकण्यात आला, जो १० मजली इमारतीच्या समतुल्य आहे. स्टेशनचे बांधकाम तळापासून वरच्या पद्धतीने केले जात आहे, म्हणजेच जमिनीपासून खोदाईचे काम सुरू झाले असून पायापासून कॉंक्रीटकरणेचे कामही वेगाने सुरू झाले आहे.

भारतात पहिल्या धावणाऱ्या

### मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशनची माहिती

मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन वांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स येथे स्थित असून, मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर रेल्वे मार्गावरील एकमेव भुयारी स्टेशन आहे. हा प्लॅटफॉर्म जमिनीपासून सुमारे २४ मीटर खोलीवर नियोजित करण्यात आले आहे. या प्लॅटफॉर्ममध्ये प्लॅटफॉर्म मजला, संकुल मजला आणि सेवा मजला असे तीन मजले असतील. संबंधित कामासाठी सध्या जमिनीपासून ३२ मीटर खोलीपर्यंत उत्खनन केले जात आहे. स्टेशनमध्ये ६ प्लॅटफॉर्म असतील व प्रत्येक प्लॅटफॉर्मची लांबी सुमारे ४१५ मीटर असेल (१६ कोचांच्या बुलेट ट्रेनसाठी पुरेशी). स्टेशनला मेट्रो आणि रस्त्याद्वारे जोडणी दिली जाईल.



बुलेट ट्रेनचा प्रकल्पाचा शिवधनुष्य सरकारने चांगल्या पद्धतीने पेलला आहे. गेल्या काही दिवसांत बुलेट ट्रेनच्या काम वेगवान गतीने सुरू

आहे. ट्रेनसाठी स्लॅबचे बांधकाम चालू असून, पहिला कॉंक्रीटचा स्लॅब ३.५ मीटर खोल, ३० मीटर लांब आणि २० मीटर रुंद आहे.

स्टेशनसाठी टाकल्या जाणाऱ्या ६९ स्लॅबपैकी हा पहिला आहे, जो बुलेट ट्रेन स्टेशनसाठी सर्वात खोल बांधकाम पातळी बनवेल.

The first slab of 'Bullet' station

Work completed by digging a 32 meter deep pit

# ‘बुलेट’ स्थानकाचा पहिला स्लॅब!

## ३२ मीटर खोल खड्डा करून काम पूर्ण

म. टा. खास प्रतिनिधी, मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील पहिले तीनमजली भुयारी स्थानक मुंबईतील वांद्रे-कुर्ला संकुलात उभारले जात आहे. या स्थानकातील पायाचा पहिला काँक्रीटचा स्लॅब नुकताच पूर्ण झाला. १० मजली इमारतीच्या उंचीच्या समतुल्य अर्थात जमीनसपाटीपासून ३२ मीटर खोल खड्डा करून त्याचे काम पूर्ण करण्यात आले आहे.

### ६९ स्लॅबची उभारणी

मुंबई बुलेट स्थानकाचे बांधकाम तळापासून वर अशा पद्धतीने केले जात आहे. स्थानकाच्या पायाकडील खोदकाम पूर्ण झाले असून, काँक्रीटीकरण सुरू आहे. स्थानकात एकूण ६९ स्लॅब टाकण्यात येणार असून, यातील हा पहिला स्लॅब आहे. हा बुलेट स्थानकातील सर्वाधिक खोलीचा स्लॅब आहे.

### पहिला स्लॅब असा...

- ३.५ मीटर खोल
- ३० मीटर लांब
- २० मीटर रुंद

### स्लॅबच्या बळकटीकरणासाठी...

- ६८१ मेट्रिक टन उच्च दर्जाच्या स्टीलचा वापर
- ६,२०० रिबार कपलरचा वापर
- २,२५४ घन मीटर एम-६० दर्जाचे उच्च काँक्रीट



### बर्फ, चिलर प्लाण्टद्वारे तापमानाचे नियंत्रण

प्रत्येकी '१२०एम३' क्षमतेच्या दोन इन-सीटू बॅचिंग प्लाण्टद्वारे काँक्रीटचा पुरवठा केला जात आहे. काँक्रीट ओतण्याच्या वेळी तापमान २५ अंश सेल्सिअसच्या खाली ठेवण्यासाठी बर्फ आणि चिलर प्लाण्टद्वारे तापमान नियंत्रित केले जात आहे. स्लॅब टाकण्यापूर्वी पुरेशा जलरोधक उपायांची तजवीज करण्यात आली आहे.

### स्थानकाची जोडणी

बुलेट ट्रेन स्थानकाला मेट्रो आणि रस्त्याद्वारे जोडणी दिली जाईल. प्रवेश/निर्गमनासाठी दोन द्वार नियोजित आहेत. यातील एक जवळच्या मेट्रो-२बीच्या स्थानकाकडे व दुसरे एमटीएनएल इमारतीकडे जाण्यासाठी आहे. यामुळे बुलेट प्रवाशांची वर्दळ सुलभतेने हाताळली जाणार आहे. स्थानकात नैसर्गिक प्रकाशाचा अधिकाधिक वापर होईल, अशा पद्धतीने व्यवस्था करण्यात आली आहे.

- ४,२८३ मेट्रिक टन अँग्रीगेट्सचा वापर मुंबई बुलेट स्थानकाची वैशिष्ट्ये
- बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील एकमेव भुयारी स्थानक
- जमिनीखाली फलाट, संकुल आणि सेवा-सुविधांसाठी स्वतंत्र मजले

- तीन मजल्यांसाठी ३२ मीटरपर्यंत खोदकामाचे नियोजन
- जमिनीपासून २४ मीटर खोलीवर बुलेट ट्रेनचे फलाट
- ४१५ मीटर लांबीचे सहा फलाट (१६ डब्यांच्या बुलेट ट्रेनसाठी परिपूर्ण)



Speed up the work of bullet train in the state, First base slab of Mumbai station completed

# राज्यात बुलेट ट्रेनच्या कामाला वेग

मुंबईतील भूमिगत स्थानकाचा पहिला बेस स्लॅब पूर्ण

लोकसत्ता प्रतिनिधी

**मुंबई :** देशातील पहिल्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामाला राज्यात गती मिळाली आहे. गुजरातमध्ये या प्रकल्पाची वेगात कामे सुरू असून आता राज्यातही या प्रकल्पांच्या कामांनी वेग घेतला आहे. या प्रकल्पातील वांद्रे-कुर्ला संकुल येथे भूमिगत स्थानकाचा उभारणीतील महत्वाचा टप्पा असलेला पहिला बेस स्लॅब टाकण्याचे काम नुकताच पूर्ण झाले. हा स्लॅब ३२ मीटर खोलीवर टाकण्यात आला असून तो १० मजली इमारती एवढा आहे.

नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे काम हाती घेतले आहे. बुलेट ट्रेन ५०८ किमी लांबीची असून या मार्गावरील वांद्रे-कुर्ला संकुल हे एकमेव स्थानक भूमिगत स्वरूपात बांधले जाणार आहे. या स्थानकाचा पहिला काँक्रीट बेस स्लॅब ३० नोव्हेंबर रोजी टाकण्यात आला. हा स्लॅब जमिनीपासून सुमारे ३२ मीटर खोलीवर टाकण्यात आला आहे.



मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोरमधील वांद्रे-कुर्ला संकुल स्थानक हे एकमेव भूमिगत आहे. वांद्रे-कुर्ला संकुलाच्या मध्यभागी हे ३२ मीटर खोल स्थानक बांधण्यासाठी सुमारे १८.७ लाख घनमीटर उत्खनन करण्यात येणार आहे. त्यापैकी ७२ टक्के उत्खनन पूर्ण झाले आहे. पहिला बेस स्लॅब हा एक महत्वाचा टप्पा आहे.

—**विवेक कुमार गुप्ता**, व्यवस्थापकीय संचालक, नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

जमिनीच्या पायापासून काँक्रीटचे काम सुरू करण्यात आले आहे.

बुलेट ट्रेन मार्गिकेवर एकूण १२ स्थानके असणार आहेत. यामधील आठ स्थानकांची गुजरातमध्ये, तर चार स्थानकांची महाराष्ट्रात उभारणी केली जाणार आहे. यामध्ये वांद्रे-कुर्ला संकुल, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सुरत, भरूच, बडोदे, आणंद, अहमदाबाद आणि साबरमती या स्थानकांचा समावेश आहे.

Foundation of first station of ambitious 'bullet' train completed

# महत्वाकांक्षी 'बुलेट' ट्रेनच्या पहिल्या स्टेशनचा पाया पूर्ण

लोकमत न्यूज नेटवर्क  
मुंबई : मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या वांद्रे - कुर्ला संकुलात (बीकेसी) आकार घेत असलेल्या स्टेशनचा पहिला काँक्रीट बेस स्लॅब (पाया) पूर्ण झाला आहे. मुंबई भागातील या पहिल्या पायाचे काम जमिनीपासून ३२ मीटर खोलीवर करण्यात आले असून, त्याची खोली सुमारे १० मजली इमारतीएवढी आहे. स्टेशनचे बांधकाम तळापासून वरच्या पद्धतीने केले जात आहे. प्रकल्पाच्या ट्रॅकच्या कामासाठी हे महत्वाचे काम असून, यानंतर ट्रेनच्या ट्रॅकचे आणि प्लॅटफॉर्मचे काम सुरू करण्यात येणार असल्याचे अधिकाऱ्यांनी सांगितले.



■ नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या (एनएचएसआरसीएल) माध्यमातून मुंबई-अहमदाबाद दरम्यान ५०८ किमी लांब बुलेट ट्रेन प्रकल्प प्रगतिपथावर आहे. प्रकल्पाच्या बीकेसी भागात सुरू असलेल्या पायाचा स्लॅब ३.५ मीटर खोल, ३० मीटर लांब आणि २० मीटर रुंद आहे. स्टेशनसाठी टाकल्या जाणाऱ्या ६९ स्लॅबपैकी हा पहिला आहे.

■ मुंबईतील बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन हे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोरमधील एकमेव भूमिगत स्टेशन आहे. वांद्रे कुर्ला कॉम्प्लेक्सच्या मध्यभागी हे ३२मीटर खोल स्टेशन बांधण्यासाठी सुमारे १८.७ लाख घनमीटर भागाचे उत्खनन करणे समाविष्ट आहे, त्यापैकी ५२ % उत्खनन पूर्ण झाले आहे.

- विवेककुमार गुप्ता,  
एमडी  
(एनएचएसआरसीएल)

पायाच्या बांधकामात वापरलेले साहित्य



६८१  
मेट्रिक टन  
स्टील



२२५४  
घन मीटर एम ६०  
दर्जाचा काँक्रीट

१२०  
घन मीटर  
क्षमतेच्या  
दोन इन-सिटू बॅचिंग  
प्लांटद्वारे काँक्रीटचा  
पुरवठा

४२८३  
मेट्रिक टन  
अँग्रीगेट्सचा  
वापर



६२००  
रिबार कपलर



■ काँक्रीट ओतण्याच्या वेळी तापमान २५ अंश सेल्सिअसच्या खाली ठेवण्यासाठी इन-सिटू बर्फ आणि चिलर प्लांटद्वारे तापमान नियंत्रित.

■ स्लॅब टाकण्यापूर्वी पुरेशा जलरोधक उपायांची खात्री केली आहे.

असे असेल  
अंडरग्राउंड स्टेशन

- बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील हे एकमेव भुयारी स्टेशन आहे.
- प्लॅटफॉर्ममध्ये प्लॅटफॉर्म मजला, संकुल मजला आणि सेवा मजला असे तीन मजले असतील.
- स्टेशनमध्ये ६ प्लॅटफॉर्म असतील आणि प्रत्येक प्लॅटफॉर्मची लांबी सुमारे ४१५ मीटर असेल जी १६ डब्यांच्या बुलेट ट्रेनसाठी उपयुक्त असेल.
- स्टेशनला मेट्रो आणि रस्त्याद्वारे जोडणी दिली जाईल.
- दोन प्रवेश/निर्गमन मार्ग नियोजित करण्यात आले आहेत.

Speed up the work of the bullet train!

The first base slab of the station was laid; Underground construction started

# बुलेट ट्रेनच्या कामाला गती!

## स्थानकाचा पहिला बेस स्लॅब टाकला; भूमिगत बांधकाम सुरू

ठाणे शहर, ता. ४ (बालाजीवाड)  
: मुंबईतील बोकरी येथून सुरू होणारा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प ठाणे जिल्ह्यातून जातो. या प्रकल्पातील पहिल्याचा टप्पा पूर्ण झाला असून, बुलेट ट्रेन स्टेशनचा पहिला बेस स्लॅब जमिनीपासून ३२ मीटर खोलीवर यशस्वीरीत्या टाकण्यात आला आहे.

बांधा- बुलाई कॉन्क्रीट वेधील मुंबई बुलेट ट्रेन स्थानक हे या मार्गावरील एकमेव भूमिगत स्थानक आहे. या स्थानकासाठी ६९ बेस स्लॅब टाकण्यात येणार आहेत. ३.५ मीटर खोल, ३० मीटर लांब आणि २० मीटर रुंद असलेल्या या स्लॅबने बांधकामाची सवात खोल पातळी निश्चित केली आहे.

### बुलेट ट्रेनची अतिवेगवात गती

- ◆ या ट्रेनची कमाल वेग क्षमता ३२० किमी/तास आहे.
- ◆ मुंबई ते अहमदाबाद (५०८ किमी) प्रवास दोन-तीन तासांत पूर्ण होईल.
- ◆ उच्च दर्जाची सोय
- ◆ ट्रेनमध्ये आरामदायी आसने, आधुनिक इंटरिअर्स आणि प्रशस्त जागा उपलब्ध असेल.
- ◆ वातानुकूलित हवे, वायुफय सेवा आणि मोबाइल चार्जिंगसाठी सुविधा.
- ◆ ट्रेकसाठी जपानी शिकल्सेन तंत्रज्ञानाचा वापर.
- ◆ उड्डाणपूल, जमिनीखालील आणि सागरी पुलींचा समावेश.



ठाणे : बुलेट ट्रेन स्थानकाचा पहिला बेस स्लॅब जमिनीपासून ३२ मीटर खोलीवर यशस्वीरीत्या टाकण्यात आला आहे.

### स्लॅबची वैशिष्ट्ये

६८१ मेट्रिक टन उच्च दर्जाचे स्टीलचे मजबूतीकरण, ६,२०० रिबार कगलरचा वापर, २,२५४ घनमीटर एम ६० दर्जाचा कॉन्क्रीट, ४,२८३ मेट्रिक टन अंतीग्रेट्सचा वापर. प्रत्येकी १२०m<sup>3</sup> क्षमतेच्या दोन इन-सिटू बॉयंग प्लॉटद्वारे कॉन्क्रीटचा पुरवठा केला जात आहे. स्लॅब टाकताना तापमान २५ अंश सेल्सिअसच्या खाली ठेवण्यासाठी इन-सिटू बर्फ आणि थ्रिलर प्लॉटचा वापर करण्यात आला. तसेच, जलरोधक उपायांचीही खात्री करण्यात आली.

### महत्त्वाची कामगिरी

- १ स्लॅब यशस्वीरीत्या टाकल्याने मुंबई बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामांना गती मिळणार आहे. मुंबई-अहमदाबाद मार्गावरील प्रवासाला गतिमान करणारा हा प्रकल्प भारतासाठी अभिमानास्पद ठरणार आहे.

### पहिला हाय-स्पीड प्रकल्प

- २ मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प हा भारतातील पहिला हाय-स्पीड रेल्वे प्रकल्प आहे. हा प्रकल्प अत्याधुनिक तंत्रज्ञानाने सुसज्ज असून प्रवाशांसाठी एक जलद, सुरक्षित आणि आरामदायी प्रवास अनुभव प्रदान करेल.

### १२ थांब्यांचा समावेश

मार्गामध्ये १२ स्थानके असतील. यामध्ये मुंबई, ठाणे, सुरत, वडोदरा, अहमदाबाद यांचा समावेश आहे.

### सुरक्षेचे उपाय

भूकंपरोधक तंत्रज्ञान, स्वयंचालित सिग्नल सिस्टम, सीसीटीवी.

### पर्यावरणपूरक प्रकल्प

- ३ ऊर्जा कार्यक्षम तंत्रज्ञानाचा वापर, कमी आवाज आणि प्रदूषण करणारा रेल्वेप्रकार, प्रवाशांसाठी सहज उपलब्धता, मेट्रो आणि इतर स्थानिक परिवहनशी जोडणी, स्टेशनस्वर अत्याधुनिक तंत्रज्ञान आणि सुविधांद्वारे जलद चेक-इन प्रक्रिया.



### बुलेट ट्रेन स्थानकाची वैशिष्ट्ये

- ◆ बोकरी येथील स्थानक जमिनीपासून २४ मीटर खोलीवर निर्वाचित असून, त्यासाठी सध्या ३२ मीटर खोलीपर्यंत उत्खनन सुरू आहे.
- ◆ स्थानकात सहा प्लॅटफॉर्म असतील, प्रत्येक ४१५ मीटर लांब (१६ कोच बुलेट ट्रेनसाठी).
- ◆ स्टेशनमध्ये तीन मजले असतील. यामध्ये प्लॅटफॉर्म मजला, संकुल मजला आणि सेवा मजला यांचा समावेश आहे.
- ◆ नैसर्गिक प्रकाशासाठी रूबग्लाइटची विशेष व्यवस्था करण्यात आली आहे.
- ◆ स्टेशनला मेट्रो आणि रस्त्यांद्वारे जोडण्यासाठी दोन प्रवेशद्वार निर्वाचित आहेत. यातील एक मेट्रो लाइन २ची स्थानकाकडे आणि दुसरा एमटीएनएल इमारतीकडे असेल.
- ◆ प्रवाशांच्या सोयीसाठी स्टेशनमध्ये विस्तृत जागा, कॉन्कोर्स आणि सुविधा उपलब्ध करून दिल्या जाणार आहेत.

First base slab of station at BKC laid; Underground construction started

# बुलेट ट्रेनच्या कामाला येणार वेग

## बीकेसीतील स्थानकाचा पहिला बेस स्लॅब टाकला; भूमिगत बांधकाम सुरू

मुंबई, ता. ४ : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील महत्त्वाचा टप्पा पूर्ण झाला असून, बुलेट ट्रेन स्टेशनचा पहिला बेस स्लॅब जमिनीपासून ३.२ मीटर खोलीवर यशस्वीरीत्या टाकण्यात आला आहे. ही खोली १० मजली इमारतीच्या उंचीइतकी आहे.

बांद्रा- कुर्ला कॉम्प्लेक्स येथील मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन हे या मार्गावरील एकमेव भूमिगत स्थानक आहे. या स्थानकासाठी ६९ बेस स्लॅब टाकण्यात येणार आहेत. ३.५ मीटर खोल, ३० मीटर लांब आणि २० मीटर रुंद असलेल्या या स्लॅबने बांधकामाची सर्वात खोल पातळी निश्चित केली आहे.

### या स्लॅबची वैशिष्ट्ये

६८१ मेट्रिक टन उच्च दर्जाचे स्टीलचे मजबुतीकरण, ६,२०० रिबार कपलरचा वापर, २,२५४ घनमीटर एम ६० दर्जाचा कॉन्क्रीट, ४,२८३ मेट्रिक टन अॅग्रीगेट्सचा वापर. प्रत्येकी १२०m<sup>३</sup> क्षमतेच्या दोन इन-सिटू बॅचिंग प्लांटद्वारे कॉन्क्रीटचा पुरवठा केला जात आहे. स्लॅब टाकताना तापमान २५ अंश सेल्सिअसच्या खाली ठेवण्यासाठी इन-सिटू बर्फ आणि चिलर प्लांटचा वापर करण्यात आला. तसेच, जलरोधक उपायांचीही खात्री करण्यात आली.



६९	३.५	३०	२०
बेस स्लॅब	मीटर खोल	मीटर लांब	मीटर रुंद

### सुरक्षेचे उपाय पहिला हाय-स्पीड रेल्वे प्रकल्प १२ थांब्यांचा समावेश

भूकंपरोधक तंत्रज्ञान, स्वयंचलित सिग्नलिंग सिस्टम, प्रवाशांच्या सुरक्षेसाठी सीसीटीव्ही आणि आपत्कालीन मदत यंत्रणा.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प हा भारतातील पहिला हाय-स्पीड रेल्वे प्रकल्प आहे. हा प्रकल्प अत्याधुनिक तंत्रज्ञानाने सुसज्ज असून प्रवाशांसाठी एक जलद, सुरक्षित आणि आरामदायी प्रवास अनुभव प्रदान करेल.

मार्गामध्ये १२ स्थानके असतील. यामध्ये मुंबई, ठाणे, सुरत, वडोदरा, अहमदाबाद यांचा समावेश आहे.

**पर्यावरणपूरक प्रकल्प :** ऊर्जा कार्यक्षम तंत्रज्ञानाचा वापर, कमी आवाज आणि प्रदूषण करणारा रेल्वेप्रकार, प्रवाशांसाठी सहज उपलब्धता, मेट्रो आणि इतर स्थानिक परिवहनशी जोडणी, स्टेशनवर अत्याधुनिक तंत्रज्ञान आणि सुविधांद्वारे जलद चेक-इन प्रक्रिया.



### महत्त्वाची कामगिरी

हा स्लॅब यशस्वीरीत्या टाकल्याने मुंबई बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामांना गती मिळणार आहे. मुंबई-अहमदाबाद मार्गावरील प्रवासाचा गतिमान करणारा हा प्रकल्प भारतासाठी अभिमानास्पद ठरणार आहे.

### अतिवेगवान गती

- या ट्रेनची कमाल वेग क्षमता ३२० किमी/तास आहे.
- मुंबई ते अहमदाबाद (५०८ किमी) प्रवास फक्त दोन-तीन तासांत पूर्ण होईल.
- उच्च दर्जाची सोय
- ट्रेनमध्ये आरामदायी आसने, आधुनिक इंटरियर्स आणि प्रशस्त जागा उपलब्ध असेल.
- वातानुकूलित डबे, वायुफाय सेवा आणि मोबाइल चार्जिंगसाठी सुविधा.
- टॉकसाठी जपानी शिंकांसेन तंत्रज्ञानाचा वापर.
- उड्डाणपूल,
- जमिनीखालील आणि सागरी पुलोंचा समावेश.

### स्थानकाची वैशिष्ट्ये

- बीकेसी येथील स्थानक जमिनीपासून २४ मीटर खोलीवर नियोजित असून, त्यासाठी सध्या ३२ मीटर खोलीपर्यंत उत्खनन सुरू आहे.
- स्थानकात सहा प्लॅटफॉर्म असतील, प्रत्येक ४१५ मीटर लांब (१६ कोच बुलेट ट्रेनसाठी).
- स्टेशनमध्ये तीन मजले असतील. यामध्ये प्लॅटफॉर्म मजला, संकुल मजला आणि सेवा मजला यांचा समावेश आहे.
- नैसर्गिक प्रकाशासाठी स्कायलाइटची विशेष व्यवस्था करण्यात आली आहे.
- स्टेशनला मेट्रो आणि रस्त्यांद्वारे जोडण्यासाठी दोन प्रवेशद्वार नियोजित आहेत. यातील एक मेट्रो लाइन २ वी स्थानकाकडे आणि दुसरा एमटीएनएल इमारतीकडे असेल.
- प्रवाशांच्या सोयीसाठी स्टेशनमध्ये विस्तृत जागा, कॉन्कोर्स आणि सुविधा उपलब्ध करून दिल्या जाणार आहेत.

## First slab of bullet train ready in BKC

# बीकेसीमध्ये बुलेट ट्रेनचा पहिला स्लॅब तयार

मुंबई, दि. ४ : विशेष प्रतिनिधी  
मुंबई बुलेट ट्रेन स्थानकाचा पहिला काँक्रीट बेस स्लॅब जमिनीपासून अंदाजे ३२ मीटर खोलीवर टाकण्यात आला आहे. हा स्लॅब दहा मजली इमारतीच्या समतुल्य इतक्या खोलीवर आहे. मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरमध्ये केवळ बीकेसी हे एकमेव भूमिगत स्थानक आहे.

मुंबईतील बीकेसी येथील भूमिगत स्थानकाचे बांधकाम तळापासून वरच्या दिशेने केले जात आहे. जमिनीपासून खोदकाम सुरु झाले असून पायापासून काँक्रीटकरणे कामही सुरु झाले

आहे. हा स्लॅब ३.५ मीटर खोल, ३० मीटर लांब आणि २० मीटर रुंद आहे. स्थानकासाठी टाकल्या जाणाऱ्या एकूण ६९ स्लॅब्सपैकी हा पहिला स्लॅब आहे, जो बुलेट ट्रेन स्टेशनसाठी सर्वात खोल बांधकाम पातळीवर आहे. प्रत्येकी १२० एमक्यूब क्षमतेच्या दोन इन-सिटू बॅचिंग प्लांटद्वारे काँक्रीटचा पुरवठा केला जात आहे. काँक्रीट ओतताना तापमान २५ अंश सेल्सिअसच्या खाली ठेवण्यासाठी इन-सिटू बर्फ आणि चिलर प्लांटद्वारे तापमान नियंत्रित केले. स्लॅब टाकण्यापूर्वी पुरेशा जलरोधक उपायांची खात्री केली आहे.



## मुंबई बुलेट ट्रेन स्थानकाबद्दल

मुंबई बुलेट ट्रेन स्थानक बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स येथे स्थित असून, मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर रेल्वे मार्गावरील एकमेव भुयारी स्टेशन आहे. हे प्लॅटफॉर्म जमिनीपासून सुमारे २४ मीटर खोलीवर नियोजित करण्यात आले आहे. या प्लॅटफॉर्ममध्ये प्लॅटफॉर्म मजला, संकुल मजला आणि सेवा मजला असे तीन मजले असतील. संबंधित कामासाठी सध्या जमिनीपासून ३२ मीटर खोलीपर्यंत उत्खनन केले जात आहे. या स्थानकात सहा फलाट असतील आणि प्रत्येक फलाटाची लांबी सुमारे ४१५ मीटर असेल (१६ कोचच्या बुलेट ट्रेनसाठी

पुरेशी). स्थानकाला मेट्रो आणि रस्त्याद्वारे जोडणी दिली जाईल. दोन प्रवेश-निर्गमन बिंदू नियोजित करण्यात आले आहेत. यामधील एक नजीकच्या मेट्रो लाईन-२बीच्या मेट्रो स्थानकाकडे जाण्यासाठी आणि दुसरा एमटीएनएल इमारतीकडे जाण्यासाठी आहे. स्थानक अशा प्रकारे नियोजित करण्यात आले आहे की, प्रवाशांच्या हालचालीसाठी आणि सुविधा उपलब्ध करण्यासाठी पर्याप्त जागा प्रदान करण्यात आली आहे, ज्यामध्ये कॉन्कोर्स आणि प्लॅटफॉर्म स्तराचा समावेश आहे. नैसर्गिक प्रकाशासाठी समर्पित स्कायलाईटची व्यवस्था करण्यात आली आहे.

## पहिला बेस स्लॅब पूर्ण करणे हा महत्त्वाचा टप्पा

मुंबई बुलेट ट्रेन स्थानक हे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरमधील एकमेव भूमिगत स्थानक आहे. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्सच्या मध्यभागी हे ३२ मीटर खोल स्थानक बांधण्यासाठी सुमारे १८.७ लाख घनमीटर उत्खनन करण्यात येणार आहे, त्यापैकी ५२ टक्के उत्खनन आधीच पूर्ण झाले आहे. घटनास्थळी सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी अत्याधुनिक उपकरणे वापरली जात आहेत. पहिला बेस स्लॅब पूर्ण करणे हा एक महत्त्वाचा टप्पा आहे.

- विवेक कुमार गुप्ता, एमडी, एनएचएसआरसीएल

The first concrete slab of BKC station of bullet train was laid 32 meters below the ground.

# બુલેટ ટ્રેનના BKC સ્ટેશનનો કોન્ક્રીટનો પહેલો સ્લેબ જમીનથી ૩૨ મીટર નીચે નાખવામાં આવ્યો



વડા પ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના મહત્વાકાંક્ષી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ૩૦ નવેમ્બરે બુલેટ ટ્રેનનું બાંદરા-કુર્લા કોમ્પ્લેક્સ (BKC) સ્ટેશન બનાવવા જમીનથી નીચે ૩૨ મીટર ઊંડે ૩૦ મીટર લાંબો, ૨૦ મીટર પહોળો અને ૩.૫ મીટર ઊંડો સ્લેબ નાખવામાં આવ્યો હતો. આ એક સ્લેબ બનાવવામાં ૬૮૧ ટન હાઈ ગ્રેડ સ્ટીલ અને ૬૨૦૦ રબર ક્વલર વાપરવામાં

આવ્યાં છે. સાથે જ ૨૨૫૪ ક્યુબિક મીટરમાં M60 ગ્રેડના કોન્ક્રીટથી એ બનાવાયો છે, જેનું કુલ વજન ૪૨૮૩ ટન થાય છે. આ પહેલો સ્લેબ હતો. આવા ૬૮ સ્લેબ નાખવામાં આવશે. મુંબઈ-અમદાવાદ વચ્ચે દોડનારી બુલેટ ટ્રેનના આખા કોરિડોરમાં BKC એકમાત્ર સ્ટેશન છે જે અન્ડરગ્રાઉન્ડ છે. બાકીનાં બધાં જ સ્ટેશન જમીનની ઉપર

છે. કુલ છ પ્લેટફોર્મ હશે જે ૪૧૫ મીટર લાંબાં હશે. એના પર ૧૬ કોચની બુલેટ ટ્રેન ઊભી રહેશે. સ્ટેશનનાં ૩ લેવલ હશે. એમાં એક લેવલ પર પ્લેટફોર્મ હશે, બીજા લેવલ પર ટિકિટ-વિન્ડો અને સિક્યોરિટી વગેરે હશે; જ્યારે ત્રીજા લેવલ પર પ્રવાસીઓને આપવામાં આવતી અન્ય સુવિધાઓનો સમાવેશ કરવામાં આવશે.